हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार 10 नवंबर 2026

11 कारीगरों ने मशीनों की पूजा कर श्रद्धा से मनाया विश्वकर्मा दिवस



12 कार्तिक अमावस्या पर झाड़ साहिब में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब...



धूमधाम से मनाया गया रोशनी का पर्व, शुभ मुहूर्त में महालक्ष्मी-गणेश की पूजा कर मांगी सुख-समृद्धि

दीपों की रोशनी से जगमगाया जिला, घरों से बाजारों तक छाई दीपावली की रौनक



फतेहाबाद। दीपावली पर आतिशबाजी करते बच्चे।



सिरसा। दीपावली पर्व पर श्याम बगीची में दीपक जलाते महिलाएं व बच्चे पटाखे जलाते हुए। फोटो : हरिभूमि



हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

दीपों का पर्व दीपावली रविवार को जिलेभर में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही त्योहार को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। शाम ढलते ही शहर से लेकर गांवों तक घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में दीपों और रंग-बिरंगी बिजली की लडिय़ों की रोशनी बिखर गई। शुभ मुहूर्त में लोगों ने विधि-विधान से मां महालक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और व्यापार में उन्नति की कामना की। इसके बाद देर रात तक आतिशबाजी का दौर चलता रहा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई दीपावली के उल्लास में डूबा नजर आया। इस बार दीपावली से पहले धनतेरस और छोटी दीपावली के साथ बाजारों में तीन दिन तक खरीदारी का माहौल बना रहा। धनतेरस पर सोने-चांदी, आभूषण, बर्तनों और वाहनों की जमकर बिक्री हुई तो दीपावली पर मिठाइयों, गिफ्ट आइटम, सजावटी सामान, पूजन सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही।

विश्वकर्मा दिवस पर औजारों की पूजा की

दीपावली के अगले दिन सोमवार को जिले में विश्वकर्मा दिवस भी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मिस्त्रियों, मैकेनिकों, लोहारों, बढ़ई और अन्य कारीगरों ने अपने कार्यस्थलों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। कारीगरों ने अपने औजारों, मशीनों और उपकरणों को साफ कर उनकी पूजा की तथा कामकाज में तरक्की और सुख-समृद्धि की कामना की। भूना रोड पर भी विश्वकर्मा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कारीगरों और श्रमिकों ने भाग लिया।

लक्ष्मी-गणेश पूजन के बाद देर रात तक हुई आतिशबाजी

रविवार शाम को शुभ मुहूर्त में लोगों ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की। घरों और प्रतिष्ठानों में पूजा के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। पूजा में फूल-मालाओं, कमल के फूल, लाई-बताशे, मिठाइयों और अन्य पूजन सामग्री का विशेष उपयोग किया गया। पूजा-अर्चना के बाद लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां बांटकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद बच्चों और युवाओं ने फुलझड़ियां, अनार और अन्य ग्रीन पटाखे चलाकर पर्व की खुशियां मनाईं। देर रात तक शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में आतिशबाजी की आवाजें सुनाई देती रहीं।

पटाखों की दुकानों पर रही भीड़, स्टॉक हुआ कम

ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति और निर्धारित समय की पाबंदियों के बीच लोगों ने पटाखों की भी खरीदारी की। भोडियाखेड़ा स्थित पटाखों के गोदामों में दीपावली के दिन स्टॉक काफी कम नजर आया। प्रशासन की ओर से पटाखों को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के चलते इस बार लोगों से निर्धारित समय में ग्रीन पटाखे चलाने की अपील की गई थी।

मंदिरों और प्रतिष्ठानों में हुई विशेष सजावट

दीपावली को लेकर शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी। मेन बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर, जीटी रोड स्थित श्री दुर्गा मंदिर, श्री रघुनाथ मंदिर और प्राचीन देवी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया। शाम होते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा। वहीं लोगों ने कई दिन पहले से ही घरों और प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई कर उन्हें सजाया हुआ था।

सिरसा में हर्षोल्लास से मनाया दीपावली पर्व

सिरसा। जिलाभर में रविवार को दीपावली पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने दिनभर बाजारों में खरीददारी की। शाम होते ही घरों व दुकानों के बाहर जहां दीपक जगमगा उठे वहीं आसमान पटाखों व आतिशबाजी से जगमगा उठा। रात में लोगों ने लक्ष्मी जी का पूजन कर सुख समृद्धि की कामना की। दीपावली पर्व पर शहर में रोड़ी बाजार, सूरतगढिया बाजार, मोहंता मार्केट, सदर बाजार, हिसारिया बाजार, चांदनी चौक बाजार, सदर बाजार आदि में दुकानों पर जबरदस्त सजावट की गई थी। मिठाइयों की दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही। इसके साथ ही ड्राई फ्रूट की दुकानों पर भी लोगों ने जमकर खरीददारी की। शहर के चौक चोराहों पर खिलौने वालों ने दीपावली की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। शहर में गिफ्ट आइटम, फलों व इलेक्ट्रोनिक्स की दुकानें भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। शाम होते ही शहर की हर गली व दुकानों के आगे दीपक जगमगाने लगे। पूरा शहर रंगबिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने अपने घरों व दुकानों पर मां लक्ष्मी जी का पूजन किया। आधी रात तक पटाखों की आवाज सुनाई देती रही।

दीयों और फूल-मालाओं की खूब बिक्री

इस बार दीपावली पर पारंपरिक मिट्टी के दीये जलाने को लेकर भी लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बाजारों में मिट्टी के दीयों, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, फूल-मालाओं, बंदनवार, रंगोली और सजावटी सामान की खूब बिक्री हुई। पूजा में कमल के फूल का विशेष महत्व होने के कारण फूल विक्रेताओं के यहां भी ग्राहकों की भीड़ रही। मिठाई की दुकानों पर दिनभर खरीदारी होती रही। मिट्टी के दीयों की बढ़ती मांग से कुम्हार परिवारों के चेहरे भी खिले नजर आए।

दिवाली की रात फतेहाबाद में हादसा

खैराती खेड़ा रोड पर बारदाना गोदाम में लगी भीषण आग 2 लाख बोरियां जलकर राख

फतेहाबाद। दिवाली की खुशियों के बीच शहर के खैराती खेड़ा रोड पर स्थित एसएस बारदाना फर्म के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आतिशबाजी से निकली एक चिंगारी के कारण हुए इस अग्निकांड में गोदाम में रखी करीब 2 लाख जूट की बोरियां जलकर पूरी तरह स्वाहा हो गईं। हादसे से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 7 गाडिय़ों ने करीब 6 घंटे तक कड़ी मशक्कत कर तड़के 3 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की यह घटना दिवाली की रात करीब 9 बजे के बाद घटित हुई। माना जा रहा है कि पास में चल रही आतिशबाजी से उड़ी चिंगारी गोदाम में रखे जूट के बारदाने पर जा गिरी। धान के चालू सीजन के चलते गोदाम में बड़े पैमाने पर जूट की बोरियों का स्टॉक जमा करके रखा गया था। जूट होने के कारण आग ने बेहद तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। हादसे की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 7 गाडिय़ों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जूट की बोरियों के अंदर तक आग फैल जाने के कारण कर्मचारियों को उसे बुझाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दमकल टीम के निरंतर 6 घंटे चले अभियान के बाद तड़के करीब 3 बजे आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका।



रतिया। आग से जलती हुई गांठों से भरी ट्राली। फोटो : हरिभूमि

दीपावली पर अनेक जगहों पर लगी आग से तुड़ी स्वाहा

■ पराली, गांठे व ट्राली जलकर हुई राख

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

दीपावली के पावन पर्व पर जहां एक ओर पूरा शहर रोशनी के जश्न में डूबा था, वहीं दूसरी ओर रतिया क्षेत्र में आगजनी की विभिन्न घटनाओं ने भारी नुकसान पहुंचाया। दीवाली की बीती रात विभिन्न स्थानों पर अचानक आग लगने से किसानों की सैकड़ों क्विंटल तुड़ी और धान की पराली जलकर राख हो गई। इसके अलावा बिजली के तारों की चपेट में आने से पराली की गांठों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली भी आग की भेंट चढ़ गई। गनीमत यह रही कि समय रहते दमकल गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दीपावली की रात सामने आई पहली घटना में, रतिया निवासी नसीब पुत्र रामदीन के यहां गौवंश के चारे के लिए संभालकर रखी गई करीब 200 क्विंटल धान की पराली में अचानक आग लग गई, जिससे सारा चारा जल गया। इसी प्रकार, गांव अजीतनगर निवासी पाला राम पुत्र अमरीक सिंह की लगभग 150 क्विंटल तुड़ी और वहां खड़ी एक कंबाइन के टायर भी आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गए।

मशक्कत से पाया काबू

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। इससे एक दिन पूर्व गांव बोड़ा क्षेत्र में एक अन्य बड़ी घटना सामने आई। गांव बलियाला से पराली की गांठें भरकर एक ट्रैक्टर-ट्राली खाई गांव की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्राली गांव बोड़ा के खरीद केंद्र के पास पहुँची, तो रास्ते में ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के संपर्क में आने से गांठों में अचानक चिंगारी भड़क उठी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

₹90,850 की जुआ राशि सहित 9 काबू

■ नेथेहड़ मोहल्ला में गश्त के दौरान पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस नेथेहड़ मोहल्ला में जुआ खेल रहे 9 लोगों को 90 हजार 850 रुपये की जुआ राशि सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान सिरसा के थेहड़ मोहल्ला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मोहल्ले में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर बड़े स्तर पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना देर किए मौके पर दबिश दी और जुआ खेल रहे 9 लोगों को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 90 हजार 850 रुपये की नकदी और ताश के पत्ते बरामद हुए। आरोपियों की पहचान राहुल निवासी थेहड़ मोहल्ला, गौतम निवासी पीर बस्ती, पवन निवासी रानियां चुंगी, पवन निवासी कंचन एमसी वाली गली, साहिल निवासी पीर बस्ती, मोहित निवासी मोचियां वाली गली, गौतम व आलेख निवासी लक्खी तालाब मोहल्ला तथा राजकुमार निवासी पीर बस्ती सिरसा के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ थाना शहर सिरसा में जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगामी जांच शहर थाना पुलिस को सौंपी गई है।



सिरसा। जुआ खेलते पकड़े गए आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

डोडा पोस्त सहित पंजाब का युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना जाखल पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को 980 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मनी शर्मा पुत्र हरबंस राम निवासी गांव गग्गा, जिला पटियाला के रूप में हुई है। थाना जाखल प्रभारी निरीक्षक बलराज ने बताया कि एएसआई हरपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम रेलवे ओवरब्रिज के नीचे रेलवे लाइन की तरफ गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक युवक हाथ में प्लास्टिक का लिफाफा लेकर आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह वापस मुड़कर जाने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसे काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक लिफाफे सहित 980 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

मिठाई की दुकान पर मधुमक्खियों का हमला, 2 लाख का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

दिवाली के ऐन मौके पर शहर के व्यस्ततम थाना रोड स्थित फव्वारा चौक के पास एक मिठाई की दुकान पर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने धावा बोल दिया। बाहरी स्टॉल पर सजाकर रखी गई मिठाइयों पर सैकड़ों मधुमक्खियों के जमघट और हमला कर देने से मौके पर हड़क़ंप मच गया। इस अप्रत्याशित घटना के चलते त्यौहार के सीजन में दुकानदार को करीब 2 लाख रुपये की मिठाइयों के सीधे नुकसान का सामना करना पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिवाली पर्व की बिक्री को लेकर फतेहाबाद के मुख्य बाजारों में दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। फव्वारा चौक के पास भी मिठाई की दुकान के बाहर स्टॉल पर तरह-तरह की मिठाइयां सजाई गई थीं। इसी दौरान अचानक कहीं से मधुमक्खियों का एक बड़ा झुंड आया और स्टॉल पर रखी मिठाइयों पर टूट पड़ा।



दिवाली जैसे मुख्य त्योहार के दिन ग्राहक न आने और भारी नुकसान होने से दुकानदार व हलवाई बेहद परेशान और मायूस दिखाई दिए।

फतेहाबाद। मिठाइयों पर हुआ मधुमक्खियों का अटैक। फोटो : हरिभूमि

ग्राहकों में बना डर का माहौल

घटना के तुरंत बाद दुकान पर मौजूद कारिंदों और हलवाइयों ने मधुमक्खियों को भगाने के भरसक प्रयास शुरू किए। कर्मचारियों ने आग सुलगाई और कोयले का घना धुआं करके मक्खियों को उड़ाने की कोशिश की, लेकिन तमाम मशक्कत के बावजूद मधुमक्खियां मिठाइयों से नहीं हटीं। दुकान के चारों तरफ मधुमक्खियों के आक्रामक रूप से मंडराने के कारण वहां खरीदारी करने पहुंचे ग्राहकों में डर का माहौल बन गया।

फर्जी पंजीकरण कर धान बेचने के मामले में अब तक 16 गिरफ्तार

फतेहाबाद। करोड़ों रुपये के धान घोटाले से जुड़े मामले में आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान स्याशत सिंह उर्फ बोला पुत्र नरेंद्र सिंह निवासी वार्ड नंबर 9, रतिया के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस अब तक 16 आरोपियों को काबू कर चुकी है। आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक जसवंत ने बताया कि मुख्यमंत्री उड़नदस्ता, हिसार की जांच में खरीफ वर्ष 2020 के दौरान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर धान की फसल का फर्जी पंजीकरण करवाकर सरकारी खरीद में धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया था। जांच में आरोप सामने आए थे कि कुछ पंजीकरणकर्ताओं, आढ़तियों, फर्म संचालकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने आपसी मिलीभगत से दूसरे राज्यों से कम कीमत पर धान खरीदकर हरियाणा में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बिक्री की तथा सरकारी खरीद एजेंसियों से भुगतान प्राप्त कर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया।

फतेहाबाद में दीपावली पर सड़कों पर उतरे गेस्ट टीचर

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे गेस्ट टीचरों ने दीपावली के पावन पर्व पर जश्न मनाने के बजाय सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

बीजेपी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के बैनर तले एकजुट हुए गेस्ट टीचरों ने फतेहाबाद स्थित बीजेपी के जिला कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित अध्यापकों ने सरकार द्वारा गेस्ट टीचरों को नियमित न करने के संबंध में जारी किए गए स्पीकिंग ऑर्डर की प्रतियां जलाकर अपना कड़ा विरोध व्यक्त किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला सह सचिव देवीलाल ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में करीब 1200 से अधिक गेस्ट टीचर पिछले 21 वर्षों से विभिन्न सरकारी स्कूलों में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि गेस्ट अध्यापकों से नियमित कर्मचारियों की तुलना में ज्यादा काम लिया जा रहा है, जबकि वेतन के नाम पर उन्हें नियमित कर्मचारियों के मुकाबले मात्र चौथा हिस्सा ही दिया जा रहा है। संघ के नेता देवीलाल ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए विभिन्न फैसलों के बावजूद सरकार ने अपनी हठधर्मिता दिखाते हुए एकतरफा स्पीकिंग ऑर्डर जारी कर दिए हैं और गेस्ट टीचरों को पक्का करने से साफ इनकार कर दिया है।

धर्म-कर्म

बाबा मनसा गिरी महाराज की समाधि पर झाड़ू, नमक और बताशे चढ़ाए

मनसागर धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 3 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे हजारों श्रद्धालु, माथा टेककर मांगी मन्नतें

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भट्टू रोड पर गांव ढिंगसरा स्थित मनसागर धाम में रविवार को दीपावली के दिन मेले का आयोजन किया गया। मनसागर धाम में बाबा मनसा गिरी महाराज की समाधि पर लोगों ने झाड़ू, नमक व बताशे अर्पित कर मन्नतें मांगी। मेले में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व दूरदराज से भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने माथा टेका और मन्नतें मांगी। फतेहाबाद के भट्टू रोड स्थित मनसागर धाम में मेले में इतनी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे कि पुलिस ने श्रद्धालुओं के वाहनों को 3 किलोमीटर पहले ही रोक दिया, जिस कारण श्रद्धालुओं ने 3 किलोमीटर पैदल चलकर धाम में माथा टेका और मन्नतें मांगी। मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें व स्टाले मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रही। खिलौनों की दुकानों, मिठाइयों, खाने पीने व मनिहारी की दुकानों पर काफी भीड़ लगी रही। लोगों ने मेले में खूब खरीदारी की। वहीं बच्चों ने झूलों का आंनद लिया। मेले में भंडारे का आयोजन भी किया गया था।



फतेहाबाद। मनसागर धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

धाम की अनूठी परंपरा

बता दें कि गांव ढिंगसरा में ऐतिहासिक मनसागर धाम में बाबा मनसा गिरी महाराज की समाधि बनी हुई है, वहीं उनके पांच चेले भी समाधि के रूप में विराजमान है। वहीं एक जोहड़ी भी बनी हुई है। यह पहले कच्ची मिट्टी की बनी हुआ करती थी जो कि अब अपना रूप बदलकर सौंदर्य करण की छटा बिखेर रही है। बताया जाता है कि इस जोहड़ी पर पानी से महाराज श्री पर्यावरण को संरक्षण देते हुए आसपास के क्षेत्र को हरा-भरा रखते थे। अब यहां इस जोहड़ी से मिट्टी निकाल कर मन्नत मांगते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस मिट्टी निकालने में जल से चर्म रोग तक भी दूर होते हैं।

मनसागर धाम में 24 घंटे जलती है ज्योत

कमेटी के सचिव ने बताया कि पिछले 11 वर्षों से इसके रखरखाव व आधुनिक रूप देने का उनका पूरा प्रयास है। उनका कहना है कि यहां लाखों श्रद्धालु दीपावली व होली पर आते हैं उन्हें कोई दिक्कत ना हो इसके लिए कमेटी 10 दिन पूर्व ही यहां हर सुविधा देने के लिए लग जाती है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि यहां 24 घंटे धाम पर अखंड ज्योत जलती रहती है। अब एक हवन यज्ञ धुना का भी निर्माण किया गया है जिसमें 24 घंटे लगातार धुना जलता रहता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में नमक व झाड़ू और खिल पतासे का प्रसाद अक्सर चढ़ाया जाता है।

माथा टेकने से चर्म रोग होते हैं ठीक

ऐसी मान्यता है कि यहां दर्शन करने व मत्था टेकने से चर्म रोग, मस्से, फोड़े-फंसी इत्यादि गंभीर से गंभीर बीमारियां ठीक हो जाती है। लगभग 4 एकड़ में पहले यह धाम धीरे धीरे धार्मिक आस्था का प्रतीक बनने के साथ-साथ पर्यटक स्थल के रूप में भी विकसित होता जा रहा है। यह स्थान राष्ट्रीय राजमार्ग 9 फतेहाबाद से 12 किलोमीटर दूर व भट्टू कलां से रेल मार्ग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।



हरिभूमि
सहेली
रोहतक,मंगलवार
10 नवंबर 2026

विशेषः बाल दिवस, 14 नवंबर

मासूमियत सहेजने के जतन जरूरी

आए दिन बच्चों द्वारा किए जाने वाले हिंसक कृत्य, समाज और परिवार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। अबोध-मासूम बच्चे क्रूर होकर किसी की जान पर खेल जाएं, यह तो हृदय विदारक है। सवाल यह है कि अभिभावक बच्चों को कैसा वातावरण दे रहे हैं, कैसी परवरिश कर रहे हैं कि बच्चे अपनी मायूमियत खो रहे हैं, असंवेदनशील हो रहे हैं, अमानवीय व्यवहार कर रहे हैं!

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा



बीते दिनों सामने आया पंचकुला (हरियाणा) के स्कूल का एक वीडियो पूरे समाज के लिए भय की दस्तक है। अभिभावकों के लिए चिंता का सबब है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को मारता-पीटता दिखता है। निजी स्कूल की यह घटना बच्चों के हिंसक होते व्यवहार की बानगी है। मात्र आठ साल के बच्चे द्वारा अपने ही स्कूल की बच्ची को यूं क्रूरता से कुचलना-पीटना सचमुच स्तब्ध करने वाला है। तीसरी कक्षा के छात्र ने केजी में पढ़ने वाली बच्ची के बेहोश होने के बाद भी उसे घसीटना और ईंट से मारना जारी रखा। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के साथ ही घरों में परवरिश को लेकर कई प्रश्न उठाने वाला यह वाकया, बहुत कुछ सोचने को विवश करता है कि आखिर क्यों खो रही है बच्चों की मासूमियत?

आक्रोश के घेरे में बालमन

बच्चों का मन समझना अब एक पहेली बन गया है। हंसने-हंसाने वाली मासूमियत गुस्से, चिड़चिड़ेपन और आक्रोश के घेरे में है। बच्चों को सब कुछ मनचाहा ही सुहाता है। सहज-सी बात पर वे उखड़े से रहते हैं। भोलेपन की मनुहार जाने कहां चली गई है? बच्चों की अठखेलियां और निष्कपटता तो बड़ों के गुस्से का पॉज बटन हुआ करती थी। अब तो जरा-सी बात में गुस्सा होकर बच्चे सुसाइड और घर छोड़ने जैसा एक्सट्रीम कदम तक उठा लेते हैं। असल में देखा जाए तो सहजता और संयम अब बच्चों के बर्ताव का हिस्सा भी नहीं रहा। बदलती जीवनशैली में मासूमों का मन भी बदल गया है। फास्ट फूड के बढ़ते सेवन, एकल परिवारों में अधिकतर समय अकेले रहने और शारीरिक सक्रियता की कमी छोटी उम्र में उनके हार्मोंस में बदलाव कर रहे हैं। किसी परिवार में हद से ज्यादा देखभाल और मान-मनुहार तो कहीं व्यस्त अभिभावकों की उपेक्षा, बच्चों को संतुलित परिवेश ही नहीं मिल पा रहा। उनके मन में बहुत सी बातों-हालातों को लेकर शिकायतें हैं। सुविधाओं की अति के चलते सब्र की कमी होती जा रही है। ऐसी सभी बातें बालमन में बेवजह के आक्रोश को खाद-पानी देती हैं। यही गुस्सा कभी नेगेटिव विचारों में तो कभी अनकल्चर्ड बर्ताव में सामने आता है।

मिजाज बदलता वर्चुअल कंटेंट

आज की डिजिटल दुनिया में 'जैसा खाए अन्न, वैसा होवे मन' वाली कहावत बच्चों द्वारा कंज्यूम किए जा रहे कंटेंट पर सटीक बैठती है। हिंसा से भरे वर्चुअल गेम्स, दूसरों को परेशान-असहज करने वाले प्रैंक वीडियोज और हैरान करने वाली हरकतों की रील्स देख रहे बच्चों का मन मासूम नहीं रहा। अधिकतर बच्चे परेशान करने वाली मजाकिया शरारतों वाले कंटेंट से लेकर वॉयलेंट और वल्गर कंटेंट तक स्क्रीन पर देख रहे हैं। यही आभासी सामग्री उनके अबोध मन को गुमराह करने वाली है। समय-समय मुट्ठी में मौजूद स्मार्ट स्क्रीन पर खेले जाते मार-धाड़ वाले खेल और देखे जा रहे अनफिल्टर्ड कंटेंट ने बच्चों को असंवेदनशील और निर्मम बना दिया है। बहुत से बच्चे, वर्चुअल संसार में देखी गई हिंसा एवं आक्रामकता की व्यावहारिक जीवन में नकल करते हैं। इस मामले में भी आठ साल के बच्चे के क्रूर बर्ताव की वजह ऑनलाइन एक्शन और शूटिंग वाला हिंसक गेम फ्री-फायर खेलने की आदत है। तकलीफदेह है कि स्मार्ट स्क्रीन पर घंटों ऐसे गेम खेलने वाले बच्चों को असल संसार में की गई हिंसा भी किसी वर्चुअल कंटेंट के समान ही लगने लगती है। शायद यही वजह है कि एक टास्क पूरा करने के समान यह बच्चा भी केजी में पढ़ने वाली बच्ची को लगातार मारता, पीटता और प्रताड़ना देता दिखता है। किसी भी तरह से डर से दूर रहकर बच्ची के साथ हिंसा करता है।

बड़ों को अवेयर होना होगा

बच्चों की मानसिकता को हिंसक होने से बचाने के लिए पैरेंट्स की अवेयरनेस सबसे जरूरी है। अपना समय और स्नेह देकर ही बालमन को वास्तविक जीवन से जोड़ा जा सकता है। मासूमों के मन में धीरे-धीरे जड़ें जमा रही बर्बर मेंटेलिटी से बचाने के लिए स्क्रीन में झांकने का समय घटाना सबसे अहम कदम है। साथ ही शारीरिक सक्रियता और संतुलित भोजन करने जैसे पहलुओं पर भी पैरेंट्स को बच्चों को गाइड करना होगा। बड़ों को रोल मॉडल बनकर पहले खुद स्क्रीन के संसार से बाहर निकलना होगा। घर के इन छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताने की पहल करनी होगी। गौरतलब है कि पंचकुला के केस में भी जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा बच्चे को माता-पिता के साथ भेजते समय लाइफस्टाइल चेंज से जुड़ी बातें कही गई हैं। बोर्ड ने बच्चे को मोबाइल नहीं देने, परिवार के सदस्यों को उसके साथ अधिक समय बिताने और खेल गतिविधियों से जोड़ने की शर्त रखी है। असल में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने रखी गई क्रूरता करने वाले इस बच्चे की मैपिंग टेस्ट रिपोर्ट असामान्य पाई गई है। इलाज की सख्त जरूरत बताते हुए बच्चे को सशर्त जमानत पर पैरेंट्स को सौंपा गया है। ऐसे में इस केस से जुड़ी बातें, दूसरे अभिभावकों के लिए भी समझने योग्य हैं। अपने बच्चे के बदलते बर्ताव को समय रहते समझने का सबक लिए हैं। सहज समझाइश से बात न बने तो विशेषज्ञ की सलाह लेने की जरूरत और जागरूकता के मायने भी समझाती हैं।

जीवनशैली ने बदला बर्ताव

हालिया बरसों में बच्चों की परवरिश से जुड़ा पूरा परिवेश ही बदल गया है, जिसके चलते बालमन की फीलिंग्स ही नहीं एक्शंस भी बदल गए हैं। बच्चे, वास्तविक जीवन से अधिक जानकारियां स्क्रीन से ले रहे हैं। बड़ों से जीवन के सबक सीखने के बजाय रील वीडियोज में मनचाही बातें सुन रहे हैं। कामकाजी अभिभावकों के बच्चे अकेलेपन का शिकार हैं। बच्चों का लंबा समय अपने आप तक सिमटकर ही बीत रहा है। मेट्रो सिटीज में ही नहीं, गांवों-कस्बों में भी किसी भी विषय में सही-गलत का फर्क समझाने के लिए आस-पास कोई नहीं होता। एक समय बाद मनमर्जी की लाइफस्टाइल में जीने के आदी हुए बच्चे कोई समझाइश सुनना भी नहीं चाहते। हरदम स्क्रीन से चिपके रहने वाले बच्चे या तो सुस्त हैं या हाइपरएक्टिव। उनकी सोच और समझ की दिशा सहज है ही नहीं। स्पष्ट दिखता है कि मौजूदा लाइफस्टाइल ने उनकी मासूमियत भरी सुध-बुध छीन ली है। अपने मन की पसंद मुताबिक स्क्रीन पर कंटेंट देखने-सुनने की आदत के कारण बच्चे अब अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करना भी भूल रहे हैं। उनका कोरा मन सही गलत के भेद से दूर हर बदलाव को जीवन का हिस्सा बना रहा है।

भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाता है भाई दूज

आज के व्यस्त और व्यावहारिक होते जा रहे जीवन में भाई-बहन जैसे प्यारे रिश्तों में भी दूरियां बढ़ने लगी हैं। ऐसे में भाई दूज जैसे पर्व, भाई-बहन के स्नेहमयी रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

रिश्ते

अनीता जैन



भाई-बहन का रिश्ता जीवन के उन अनमोल रिश्तों में से एक है, जिसकी डोर प्रेम, विश्वास, अपनेपन और निस्वार्थ भावनाओं से बंधी होती है। समय बदलता है, जीवन की प्राथमिकताएं बदलती हैं और व्यस्तताओं के बीच अपनों के लिए वक्त निकालना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन कुछ रिश्तों की अहमियत कभी कम नहीं होती। भाई दूज ऐसा ही पर्व है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और साथ निभाने के संकल्प को फिर से जीवंत करता है। माथे पर तिलक और थाली में सजे दीप के साथ यह त्योहार केवल परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि रिश्तों में स्नेह और विश्वास की लौ जलाए रखने का संदेश भी देता है।

पर्व से जुड़ी पौराणिक कथाः भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, सूर्यदेव की पुत्री यमुना अपने भाई यमराज से अत्यंत प्रेम करती थीं। यमुना बार-बार यमराज को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करतीं, परंतु व्यस्तता के कारण वे नहीं जा पाते थे। अंततः एक दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीया के दिन यमराज यमुना के घर पहुंचे। यमुना ने उनका स्वागत तिलक, आरती और आदरपूर्वक भोजन से किया। यमराज ने प्रसन्न होकर यमुना से वर मांगने को कहा। यमुना ने कहा, 'जो भी बहन इस दिन अपने भाई का तिलक करे और सच्चे मन से उसकी दीर्घायु की कामना करे, उसके भाई को कभी अकाल मृत्यु का भय न हो।' यमराज ने यह वर प्रदान किया और तभी से यह दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाने लगा।



अपनापन बढ़ाने का पर्वः भाई दूज केवल पारिवारिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर बुलाती हैं, उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन कराती हैं और अपने परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। यह परंपरा परिवार के बीच खटास घटाने और रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने का माध्यम बनती है। समाज में जहां आज रिश्ते, औपचारिकता तक सीमित होते जा रहे हैं, वहां भाई दूज जैसे पर्व हमें यह याद दिलाते हैं कि परिवार केवल रक्त संबंधों से नहीं, बल्कि आत्मीयता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान से भी प्रगाढ़ होते हैं।

समानता-सम्मान का प्रतीक पर्वः भाई दूज का एक सामाजिक पहलू यह भी है कि यह आपसी रिश्तों के बीच परस्पर सम्मान का प्रतीक है। जहां बहनें, भाई के लिए शुभकामना देती हैं, वहीं भाई भी बहन की सुरक्षा, सहयोग और स्नेह का वचन देते हैं। यह संबंध किसी वर्चस्व या निर्भरता का नहीं, बल्कि समानता, आपसी प्रेम, जुड़ाव और संवेदना का प्रतीक होता है, जो प्रेमपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है।

रिश्तों को जोड़ने का अवसरः आज के समय में जब काम-काज, व्यस्त दिनचर्या और भौगोलिक दूरी के कारण भाई-बहन महीनों तक एक-दूसरे से नहीं मिल पाते, भाई दूज का पर्व उन रिश्तों में नई ऊर्जा-चेतना का संचार करता है। इस तरह यह पर्व परिवार को आपस में मिलने का अवसर देता है, संवाद को पुनर्जीवित करता है और पुराने भावनात्मक संबंधों को फिर से ताजा करता है। तकनीकी युग में जब रिश्ते मोबाइल और सोशल मीडिया के संदेशों तक सीमित हो गए हैं, भाई दूज हमें व्यक्तिगत मुलाकातों की महत्ता का एहसास कराता है। स्नेह से किया गया तिलक, मुस्कान और प्रेम से साथ बिताए गए पल, यह सब मिलकर रिश्तों में ऊर्जा लौटाते हैं।

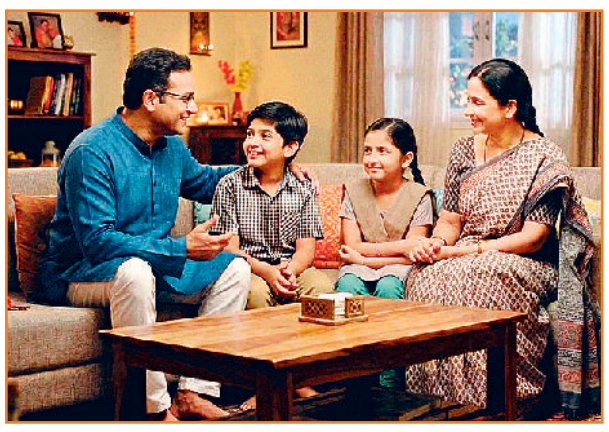
परिवार को जोड़ने वाली सीखः भाई दूज में यह व्यावहारिक संदेश भी निहित होता है कि परिवार केवल फोन पर बात करने या मैसेज भेजने से नहीं चलता, बल्कि समय देने और साथ निभाने से भी चलता है। इस पर्व के माध्यम से हम यह सीखते हैं कि चाहे हम कितने भी व्यस्त क्यों न हों, हमें अपनों के लिए थोड़ा समय अवश्य निकालना चाहिए। यही भावनात्मक निवेश हमारे जीवन को संतुलित और आनंदमय बनाता है।

आज के आधुनिक युग में नई पीढ़ी का रिश्तों के प्रति जो भावनात्मक लगाव होना चाहिए, नहीं दिखता। बच्चे अपने माता-पिता से ही रिश्तों के निर्वाह की सही सीख पाते हैं। बच्चों में रिश्तों की मजबूत नींव कैसे संभव है, जानिए।

बचपन में ही पड़ती है रिश्तों के निर्वाह की सही नींव

परवरिश

स्नेहा सिंह



बच्चों की परवरिश केवल उन्हें अच्छी शिक्षा, बेहतर सुविधाएं और सफल करियर देने तक सीमित नहीं होती। उनके व्यक्तित्व की असली नींव पड़ती है- घर के माहौल, माता-पिता के व्यवहार और परिवार में होने वाले संवाद से। बच्चा अपने आस-पास के रिश्तों को जिस तरह देखता और अनुभव करता है, उसी आधार पर वह आगे चलकर रिश्तों को समझता और सीखता और निर्वाह करता है। आज इस प्रक्रिया में मोबाइल, सोशल मीडिया, फिल्में और इंटरनेट का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। बच्चे इनसे प्रभावित होकर अपने रिश्ते निभा रहे हैं।

रिश्तों में सपनों की दुनिया बनाम हकीकतः फिल्मों और सोशल मीडिया में रिश्तों की एक ऐसी चमकदार तस्वीर दिखाई जाती है, जिसमें प्रेम, दोस्ती और जीवन बेहद खूबसूरत नजर आते हैं। बच्चे और किशोर इस काल्पनिक दुनिया से प्रभावित होकर रिश्तों और जीवन से कुछ अवास्तविक अपेक्षाएं पाल लेते हैं। धीरे-धीरे उन्हें लगता है कि वास्तविक जीवन भी रिश्तों की बनावट, उनकी पसंद और कल्पना के अनुसार ही होनी चाहिए, लेकिन हकीकत अलग होती है। वास्तविक रिश्तों में मतभेद, असहमति, जिम्मेदारियां और समझौते होते हैं, जो स्वाभाविक होते हैं। जब वास्तविकता बच्चों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाती, तो उनके भीतर एक निराशा जन्म लेती है।

सिखाएं व्यावहारिकताः बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की शुरुआत किशोरावस्था से ही होनी चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि जीवन में केवल खुशी, सफलता और प्रेम ही नहीं होते। असफलता, गुस्सा, दुःख, अस्वीकृति, निराशा और कभी-कभी नफरत जैसी भावनाएं भी जीवन का हिस्सा बनती हैं। इमोशनल होना गलत नहीं है, लेकिन इसके आधार पर तुरंत निर्णय लेना सही नहीं होता। बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानना, स्वीकारना और प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरकर सोचना सिखाना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अपने निर्णय सही ढंग से ले सकें।

ऐसे तैयार होगी मजबूत पीढ़ीः अच्छी परवरिश का अर्थ बच्चे को हर कठिनाई से बचा लेना नहीं, बल्कि उसे कठिन परिस्थितियों का सामना करने योग्य बनाना है। प्रेम, अनुशासन, स्वतंत्रता और संवाद के संतुलन से ही भावनात्मक रूप से मजबूत पीढ़ी तैयार हो सकती है। बचपन में बोया गया विश्वास ही आगे चलकर स्वस्थ रिश्तों की सबसे मजबूत नींव बनती है। हमें इस बात को शिद्दत से समझना चाहिए।

संवादों को बनाएं रिश्तों की ताकत

माता-पिता बच्चों को केवल आदेश देने या उनकी गलतियां गिनाने के बजाय धैर्य के साथ उनकी बातें भी सुनें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए, जहां बच्चा बिना डर अपनी उलझन, असहमति और असफलता साझा कर सके। बच्चों को यह समझना चाहिए कि किसी समस्या के समय माता-पिता, शिक्षक या भरोसेमंद व्यक्ति से मदद मांगना कमजोरी नहीं, समझदारी है। उन्हें यह भरोसा देना जरूरी है कि जीवन में रास्ता भटकने पर उनके माता-पिता उनके साथ खड़े रहेंगे।

डाइट सजेशन

डॉ. सुगीता मुत्रेजा

विलनिकल न्यूट्रिशनिस्ट, दिल्ली

डायबिटीज पेशेंट्स के लिए सही खान-पान बहुत जरूरी है। इसलिए अगर आप डायबिटिक पेशेंट हैं, तो अपनी डाइट में ऐसे फूड्स लेने चाहिए, जो उनकी ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सकें। **वर्ल्ड डायबिटीज डे (14 नवंबर)** के अवसर पर आपको बता रहे हैं शुगर लेवल कंट्रोल करने के लिए क्या खाएं, क्या ना खाएं?

बैलेंस्ड डाइट से कंट्रोल रहेगा ब्लड शुगर लेवल



आज के दौर में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी चुनौती डायबिटीज बनती जा रही है। बदलती जीवनशैली, अनहेल्दी खान-पान की गलत आदतें, शारीरिक गतिविधियों की कमी और बढ़ता तनाव इस समस्या को बढ़ाने वाले प्रमुख कारणों में शामिल हैं। महिलाओं में डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उनके हार्ट, किडनी, आंखों और हार्मोनल स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकती है। खासतौर पर प्रेग्नेंसी, मेनोपॉज और बढ़ती उम्र के दौरान महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है।

डाइट का रखें ध्यानः डायबिटिक महिलाओं के मन में अकसर यह सवाल रहता है कि क्या खाना चाहिए और किन फूड्स से परहेज करना चाहिए? डायबिटीज में भूखे रहना या पसंदीदा खाद्य पदार्थों को पूरी तरह छोड़ देना समाधान नहीं है। जरूरत है संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर डाइट अपनाने की, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के साथ शरीर को जरूरी ऊर्जा भी दे। सही खान-पान और स्वस्थ आदतों से महिलाएं डायबिटीज को बेहतर तरीके से



नियंत्रित कर सकती हैं। सबसे पहले यह जानिए कि आपको अपनी डाइट में क्या शामिल करना चाहिए?

हरी-मौसमी सब्जियांः आपको अपनी डाइट में पालक, मेथी, बथुआ, लौकी, तोरई, करेला, भिंडी, पत्तागोभी, फूलगोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियां शामिल करनी चाहिए। इनमें फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। फाइबर, पाचन को बेहतर रखने और ब्लड शुगर के नियंत्रण में मदद करता है। इनमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियां शरीर को जरूरी पोषण देने के साथ वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक होती हैं।

साबुत अनाजः डायबिटीज से जूझ रही महिलाओं को अपने भोजन में साबुत अनाज को प्राथमिकता देनी चाहिए। गेहूं के आटे के साथ जौ, चना, रागी, ज्वार और बाजरे जैसे अनाज को भी सीमित मात्रा में डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है। ओट्स और दलिया भी अच्छे विकल्प हैं। इन अनाजों में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को दुरुस्त रखने और ब्लड शुगर के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकता है।

प्रोटीनरिच फूड्सः आपको अपनी डाइट में प्रोटीनरिच फूड्स को भी जरूर लेना चाहिए। दाल, चना, राजमा, लोबिया, पनीर, टोफू और बिना चीनी वाला दही इसके अच्छे विकल्प हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत रखने, कोशिकाओं की मरम्मत करने और लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराने में मदद करता है। इससे बार-बार भूख लगने और अनावश्यक स्नैकिंग की आदत को भी नियंत्रित किया जा सकता है। खासतौर पर बढ़ती उम्र में महिलाओं के लिए प्रोटीन का पर्याप्त सेवन जरूरी होता है।

फ्रूट्सः डायबिटीज होने का मतलब यह नहीं है कि आपको फल खाना पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। अमरूद, सेब, संतरा, नाशपाती और पपीता जैसे फल सीमित मात्रा में खाए जा सकते हैं। इनमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। फलों का जूस पीने के बजाय उन्हें साबुत खाना बेहतर है, क्योंकि जूस बनाने से फाइबर की मात्रा कम हो जाती है और कम समय में अधिक मात्रा में शुगर शरीर में पहुंच सकती है।

ड्राय फ्रूट्स-सीड्सः बादाम, अखरोट, अलसी, चिया सीड्स और कद्दू के बीज डायबिटिक महिलाओं के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इनमें हेल्दी फैट, फाइबर, प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनका सीमित मात्रा में सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा कम हो सकती है।

इनसे करें परहेजः डायबिटिक महिलाओं को यह जानना भी जरूरी है कि उन्हें अपनी डाइट में किस तरह के फूड्स को अवॉयड करना चाहिए, क्योंकि कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मिठाई, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट, कुकीज और चीनी से बने खाद्य पदार्थों से पूरी तरह दूरी बनाएं। इसके अलावा सफेद ब्रेड, नूडल्स, पिज्जा, बिस्किट और मैदे से बनी चीजों का सेवन सीमित रखें। समोसे, कचौड़ी, पकौड़े, पूरी और चिप्स जैसी चीजों से भी दूरी बनाएं। ज्यादा नमक, मक्खन, घी और ट्रांस फैट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी कम करें। इससे हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में भी मदद मिलती है।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

इन बातों का भी रखें ध्यान

- रोजाना अपनी क्षमता के अनुसार कम से कम 30 मिनट पैदल चलें या व्यायाम करें।
- रोजाना पर्याप्त नींद लें और तनाव को नियंत्रित रखने की कोशिश करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करवाएं।
- यदि इंसुलिन या शुगर कम करने वाली दवाएं ले रही हैं, तो बिना डॉक्टर की सलाह भोजन छोड़ने या डाइट में बड़ा बदलाव करने से बचें।



विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और सुख-समृद्धि व रोजगार में उन्नति की कामना की

कारीगरों ने मशीनों की पूजा कर श्रद्धा और उल्लास से मनाया विश्वकर्मा दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭| बड़ागुढ़ा

क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा दिवस बड़ी श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। दीपावली की रात मंदिरों और वर्कशॉपों को दुल्हन की तरह रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। सुबह होते ही कारीगरों ने अपने औजारों और मशीनों की पूजा कर भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और सुख-समृद्धि व रोजगार में उन्नति की कामना की।

गांव अलीकां स्थित गुरूद्वारा सिंह सभा में मिस्त्री भाईचारा और दुकानदारों ने मिलजुल कर धार्मिक कार्यक्रम करवाया। श्री सहज पाठ साहिब के भोग के बाद सुख-समृद्धि के लिए महंत बाबा मेवा सिंह सहित उपस्थित समूह संगतों ने क्षेत्र में सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए अरदास की गई और विशाल लंगर लगाया गया। बीरूवाला-गुढ़ा स्थित विश्वकर्मा मंदिर में समस्त मिस्त्री भाईचारा व ग्रामीणों ने एकता की मिसाल पेश करते हुए दिवस मनाया। वहीं पनिहारी और रोड़ी स्थित विश्वकर्मा मंदिरों में भी भव्य रूप से भोग डाले गए और आए हुए श्रद्धालुओं ने लंगर ग्रहण किया। पूर्व सांसद चरणजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आए हुए गणमान्य लोगों के यहाँ पधारने पर प्रबंधकों ने आभार व्यक्त किया।



बड़ागुढ़ा। विश्वकर्मा दिवस पर सहज पाठ साहिब का पाठ करते। फोटो : हरिभूमि

विश्वकर्मा मंदिर नाथूसरी चौपटा में कीर्तन व श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद किया ग्रहण

चोपटा। विश्वकर्मा मंदिर नाथूसरी चौपटा में विश्वकर्मा दिवस पर सोमवार को भजन कीर्तन तथा भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही कारीगरों विश्वकर्मा के भक्तों ने मंदिर में बनी भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति के समक्ष प्रसाद चढ़ाया और मन्नत मांगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनोज जांगड़ा, सरपंच रीटा कासनियां, रघुवीर कड़वासरा, रामकुमार सुथार, कृष्ण कुमार कासनियां नंबरदार, मनीराम जांगड़ा, प्रेम सुथार, जगदीश, डॉ. मोहित सुथार ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। हरियाणा के भजन सम्राट रामधन गोस्वामी ने भजनों द्वारा भगवान विश्वकर्मा के जीवन पर प्रकाश डाला। गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। गायक कलाकार रामधन गोस्वामी ने भजनों द्वारा भगवान विश्वकर्मा की महिमा का गुणगान किया। इसके साथ ही चोपटा का इतिहास भी बताया। मनोज जांगड़ा ने भगवान विश्वकर्मा दिवस की सभी को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध जादूगर अशोक सम्राट ने शानदार कला का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। मंदिर कमेटी व आयोजकों द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद भंडारा लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण करवाया। इस मौके पर जगतपाल कासनियां, सीताराम, इंद्रपाल, राजेंद्र जांगड़ा, दिनेश जांगड़ा, राकेश सुथार, रघुवीर कड़वासरा, रामस्वरूप सोनी, आदराम, जगदीश सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

गुरुद्वारा शहीदां में 50 लोगों ने किया रक्तदान

डिंग। विश्वकर्मा दिवस के पर सोमवार को डिंग रोड स्थित गुरुद्वारा शहीदां में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिव शक्ति ब्लड बैंक सिरसा के सहयोग से आयोजित इस शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए 50 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में कालांवाली के विधायक शिशपाल केहरवाला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्त की एक यूनिट जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकती है। ऐसे सामाजिक कार्यों में युवाओं और आमजन की भागीदारी सराहनीय है। इस दौरान एकत्रित 50 यूनिट रक्त शिव शक्ति ब्लड बैंक सिरसा को सौंपा गया। रक्तदान शिविर के आयोजन में डिंग रोड स्थित शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स क्लब ने भी अहम भूमिका निभाई। क्लब सदस्यों ने शिविर को सफल बनाने के लिए व्यवस्थाएं संभालीं और लोगों को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के साथ हवन यज्ञ

भूना। श्री विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को हिसार रोड पर बाबा विश्वकर्मा मंदिर व श्री पाबू जी महाराज मंदिर में विश्वकर्मा सेवा संगठन की ओर से धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान विश्वकर्मा की विधिवत पूजा-अर्चना, हवन यज्ञ, कन्या पूजन और लंगर भंडारे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भगवान विश्वकर्मा के समक्ष सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। विश्वकर्मा धरशाला में हवन यज्ञ प्रक्रिया में प्रधान कृष्ण कंबोज रायपुर, पूर्व प्रधान लक्ष्मण जांगड़ा, मिस्त्री राजेश जांगड़ा, सतपाल सोनी, दीपक जांगड़ा व गुलशन कंबोज, रोहताश जांगड़ा,सुंदर कंबोज आदि ने शामिल हुए। वहीं श्री पाबू जी महाराज मंदिर के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे चेयरमैन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा ने ज्योत प्रज्वलित कर धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण सेठी, प्रवीण धारणिया और जोनी खट्टर ने शिरकत की। सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने मिलकर विधिवत हवन यज्ञ में आहुतियां डालीं।





फतेहाबाद। डीसी कार्यालय के बाहर धरना देते किसान। फोटो : हरिभूमि

नहरबंदी के विरोध और मुआवजे की मांग को लेकर का धरना जारी

डीसी के तबादले की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

- आंदोलन के छठे दिन दीपावली पर्व के अवसर पर भट्टू क्षेत्र के किसानों ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया

जिले में ओलावृष्टि और नहरी पानी में की जा रही कटौती से प्रभावित किसानों ने डीसी के तबादले की मांग को भी उठाया है। सोमवार को भी पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व में किसानों ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर अपना अनिश्चितकालीन पड़ाव जारी रखा। समिति के जिला प्रधान ओमप्रकाश हसंगा, करनैल सिंह नंबरदार और अमनदीप शेरपुर की अगुवाई में धरना स्थल पर जुटे किसानों ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए तीखा विरोध व्यक्त किया। किसानों ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए फतेहाबाद के जिला उपायुक्त के तुरंत तबादले की मांग की।

धरने के दौरान किसान नेताओं ने बताया कि आंदोलन के छठे दिन दीपावली पर्व के अवसर पर भट्टू क्षेत्र के किसानों ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। किसानों ने सरकार के उदासीन रवैये के खिलाफ सांकेतिक रूप से शव तैयार कर भट्टू से फतेहाबाद तक सरकार की शव यात्रा निकाली। इसके बाद किसान लाल बत्ती चौक से पैदल नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने डीसी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका।

अधिकारियों को कटघरे में किया खड़ा

किसान नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि गत 24 अक्टूबर को जिले में ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ था, लेकिन जिला उपायुक्त के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण समय पर गिरदावरी शुरू नहीं हो पाई। इस लेट-लतीफी का सीधा नुकसान किसानों को भुगतना पड़ रहा है। नेताओं ने बताया कि नहरी पानी के शेड्यूल को एक सप्ताह चालू से बढ़ाकर दो सप्ताह करने की मांग को लेकर प्रशासन को पहले भी ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। किसानों नेताओं ने कहा कि किसान पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड और खुले आसमान के नीचे डीसी दफ्तर के बाहर बैठने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार या जिला प्रशासन का कोई नुमाइंदा उनकी सुध लेने तक नहीं पहुंचा है। ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी धान की पकी-पकाई फसल को पूरी तरह तबाह कर दिया है और बालियों से दाने झड़ने के बाद खेतों में केवल पराली बची है। दिवाली और आगामी शादियों के इस सीजन में किसान और खेत मजदूर आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट चुके हैं। बच्चों के नए कपड़े और त्योहार की खुशियां तो दूर, किसानों के सामने परिवार का पेट पालने और बैंक कर्ज चुकाने का बड़ा संकट खड़ा है।

दीपावली पर आतिशबाजी बनी आफत पटाखों से 10 बच्चों समेत 31 झुलसे

हिसार। दीपावली की खुशियों के बीच शहर में आतिशबाजी के दौरान बड़ा हादसा देखने को मिला। हिसार शहर और आसपास के इलाकों में पटाखे जलाते समय 10 बच्चों समेत 31 लोग झुलस गए। पीड़ितों की उम्र 7 साल के मासूम बच्चे से लेकर 35 साल के युवाओं तक है। गंभीर रूप से झुलसे करीब 8 लोगों का इलाज सोनी बर्न अस्पताल में चल रहा है। निजी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सुनील सोनी ने बताया कि पटाखे जलाते समय असावधानी या अचानक धमाका होने से कई लोगों के चेहरे, हाथ और पांव बुरी तरह झुलस गए हैं। आजाद नगर निवासी 12 वर्षीय विजन घर के बाहर अनार जला रहा था कि अचानक अनार हाथ में ही फट गया, जिससे उसका हाथ झुलस गया। इसी तरह एचएयू निवासी 7 वर्षीय आयुष्मान, पीएलए निवासी 10 वर्षीय पर्थ, 7 वर्षीय शानवी, सेक्टर-15 निवासी 6 वर्षीय दृष्टि, 10 वर्षीय यानचित और 8 वर्षीय हिमांशी भी पटाखे जलाते समय झुलस गए। आतिशबाजी की चपेट में आकर कई युवा और महिलाएं भी घायल हुए हैं।

अमृत महोत्सव के रूप में 15 को मनाएंगे प्रेमानंद महाराज का 75वां जन्मोत्सव

- फतेहाबाद के किंग्स एम्पायर पैलेस में सजेगा सत्संग और भक्ति का दरबार, देशभर के संत-महात्मा करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद



गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण में गुरुदेव श्री श्री 108 संत श्री विचार प्रेमानंद महाराज का 75वां जन्मोत्सव 15 नवंबर को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम ट्रस्ट, फतेहाबाद की ओर से आयोजित इस भव्य धार्मिक समारोह में संत-महात्माओं का दिव्य सानिध्य, गुरु महिमा पर प्रवचन, भजन-कीर्तन और गुरु आशीर्वाद कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। समारोह में फतेहाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। यह आयोजन श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम फतेहाबाद के परमाध्यक्ष संत श्री विचार सेवानंद महाराज की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम का मार्गदर्शन स्वामी ध्यान प्रेमानंद करेंगे। आयोजकों के अनुसार, 75वें जन्मोत्सव को अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का उद्देश्य गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ-साथ उनके आध्यात्मिक विचारों, भक्ति और ज्ञान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

संत-महात्माओं के प्रवचनों से मिलेगा आध्यात्मिक ज्ञान

आश्रम के प्रमुख सेवादार भारत टूटेजा ने बताया कि इस अमृत महोत्सव के दौरान उच्च कोटि के संत-महापुरुषों का सानिध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। संतों द्वारा गुरु महिमा, भक्ति, ज्ञान और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर प्रवचन किए जाएंगे। गुरु की महत्ता को दर्शाते हुए 'गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई, जों विरंचि शंकर सम होई' की चौपाई के माध्यम से गुरु कृपा को जीवन का सच्चा प्रकाश बताया गया है। आयोजन में श्रद्धालुओं को गुरु के प्रति समर्पण, सेवा और सद्भावना का संदेश भी दिया जाएगा।

प्रमोद स्वरूप एवं पार्टी बिखेरेगी भजनों की छटा

कार्यक्रम में भजन प्रवाह के तहत दिल्ली से आमंत्रित भजन गायक प्रमोद स्वरूप एवं उनकी पार्टी द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। भजनों और संकीर्तन के माध्यम से पूरा वातावरण भक्तिमय बनाया जाएगा। इसके साथ ही समस्त संगत के लिए अति विशिष्ट लंगर प्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी, जिसमें श्रद्धालु गुरु प्रसाद ग्रहण करेंगे। अमृत महोत्सव का आयोजन रविवार, 15 नवंबर को सुबह 10:15 बजे से दोपहर 2:15 बजे तक किंग्स एम्पायर पैलेस, रतिया रोड, फतेहाबाद में होगा। कार्यक्रम के संयोजक स्वामी विज्ञान प्रेमानंद,संत भक्ति प्रेमानंद और संत विनीत प्रेमानंद हैं। श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम ट्रस्ट के साथ श्री विचार सेवा दल एवं समस्त श्री विचार परिवार संगत फतेहाबाद आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अपने परिवार सहित समारोह में पहुंचकर गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

अवैध हथियार के साथ पूर्व अग्निवीर काबू

- जाखोद खेड़ा से सीआईए मिल गेट टीम ने पकड़ा, 32 बोर का पिस्तोल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

पुलिस ने दीपावली के दिन अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव जाखोद खेड़ा से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव निवासी सचिन के रूप में हुई है। सीआईए मिल गेट की टीम ने उसके कब्जे से 32 बोर का अवैध पिस्तोल, दो मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अग्निवीर योजना के तहत सेना में भर्ती हुआ था, लेकिन नौकरी बीच में ही छोड़कर वापस आ गया था।

सीआईए मिल गेट प्रभारी सब इंस्पेक्टर जगदीश ने बताया कि उनकी टीम अपराध जांच के सिलसिले में क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव जाखोद खेड़ा में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सचिन को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध पिस्तोल, दो मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ सदर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अवैध हथियार रखने के संबंध में आगामी जांच कर रही है।



हिसार। अवैध हथियार सहित पकड़ा गया आरोपी। फोटो : हरिभूमि

शराब ठेके से 35 हजार कैश और 50 हजार की शराब चोरी

हिसार। गांव बाड्डो पट्टी स्थित कोहली वाइंस शराब ठेके को सोमवार सुबह चोरों ने निशाना बना लिया। बेखौफ चोर दीवार में सेंध लगाकर ठेके के अंदर दाखिल हुए और चंद मिनटों में 35 हजार रुपये की नकदी व करीब 50 हजार रुपये कीमत की महंगी शराब चोरी कर फरार हो गए। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 85 हजार रुपये आंकी गई है। वारदात ठेके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। सुबह ठेका खोलने पहुंचे कर्मचारियों ने अंदर सामान बिखरा देखा तो चोरी का पता चला। जांच में सामने आया कि चोर दीवार तोड़कर अंदर घुसे थे। इसके बाद उन्होंने गल्ले में रखी नकदी और शराब की बोतलों पर हाथ साफ कर दिया।

दिपावली की रात पटाखों की चिंगारी से इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭⏭ हांसी



दीपावली की देर रात पटाखों की चिंगारी से भगत सिंह रोड स्थित छाबड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान ऊपर बने गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा इलेक्ट्रॉनिक्स का सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान मालिक अनिल कुमार के अनुसार, आग की इस घटना में उन्हें करीब 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

मामले की जानकारी देते हुए दुकान मालिक अनिल कुमार ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से भगत सिंह रोड पर किराये की दुकान लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स का कारोबार कर रहे हैं। दीपावली की रात को वह अपनी दुकान व गोदाम अच्छी तरह से बंद कर बोगाराम कॉलोनी स्थित अपने घर चले गए थे। कि रात के समय पड़ोसियों ने उसे फोन कर बताया कि आपकी दुकान के ऊपर बने गोदाम से धुआं निकल रहा है।

लेबर चौक, अनाज मंडी व आजाद नगर में जागरूकता अभियान

ऑपरेशन जीवन ज्योति : 9 नशा पीड़ितों का लिया फॉलोअप

- टीम ने आमजन और मजदूरों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक
- अपने बच्चों की रोजाना की गतिविधियों पर नजर रखें और उनके साथ मित्रवत संवाद रखें

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत उपनिरीक्षक सुंदर लाल के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने शहर के लेबर चौक, अनाज मंडी तथा आजाद नगर क्षेत्र में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया। इस दौरान टीम ने आमजन और मजदूरों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। साथ ही, टीम ने पूर्व में चिन्हित किए गए 9 उपचाराधीन नशा पीड़ितों का फॉलोअप लेकर उनकी दोबारा काउंसलिंग की और उन्हें नियमित उपचार के लिए दवाएं उपलब्ध करवाईं। जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान नशा मुक्ति टीम ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को पूरी तरह नष्ट कर देती है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा पर भी गहरा आघात पहुंचाती है। टीम ने कहा कि युवाओं को इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। इसके साथ ही, पुलिस टीम ने अभिभावकों से विशेष अपील की कि वे अपने बच्चों की रोजाना की गतिविधियों पर नजर रखें और उनके साथ मित्रवत संवाद बनाए रखें। उपनिरीक्षक सुंदर लाल ने बताया कि टीम ने 9 उपचाराधीन पीड़ितों का नियमित फॉलोअप लिया, उनकी वर्तमान स्थिति और सुधार की प्रगति जानी। इसके बाद चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार उनकी दोबारा काउंसलिंग की गई तथा उन्हें समय पर नियमित दवाएं लेने के लिए प्रेरित करते हुए जरूरी दवाएं वितरित की गई। नशा मुक्ति टीम ने आमजन से अपील की है कि वे नशा पीड़ितों से घृणा करने के बजाय उन्हें सामाजिक सहयोग दें और सही इलाज करवाने के लिए प्रोत्साहित करें। फतेहाबाद पुलिस का यह ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान जिलेभर में आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

समस्या | क्षेत्र के किसानों से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों पर किया विचार-विमर्श

अजीतसर गुरुद्वारा में जुटे किसान, परमल धान के बकाया एमएसपी भुगतान पर भी जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭|रतिया



भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ की बैठक अजीतसर गुरुद्वारा परिसर में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता राजेंद्र सिंह चहल और बेगराज फुलां ने की। इसमें क्षेत्र के किसानों से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों पर विचार-विमर्श कर प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग उठाई गई।

बैठक में वक्ताओं ने मुख्य रूप से रतिया ब्लॉक में हाल ही में हुई ओलावृष्टि का मुद्दा उठाया। किसान नेताओं ने कहा कि बेमौसम ओलावृष्टि से बड़े पैमाने पर फसलें नष्ट हो चुकी हैं। प्रशासन अविलंब स्पेशल गिरदावरी करवाकर नुकसान का आकलन करे और मुआवजा जारी करे, ताकि किसान समय रहते अगली गेहूं की बिजाई की तैयारी कर सकें। इसके साथ ही, रबी सीजन की बुआई को देखते हुए भट्टू ब्लॉक सहित सिरसा और हिसार क्षेत्र में अगले दो सप्ताह तक नहरी पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। पानी की कमी के चलते किसानों को खेतों की तैयारी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में परमल धान की एमएसपी पर खरीद और उसके भुगतान में हो रही देरी पर भी रोष जताया गया। किसान प्रतिनिधियों ने प्रशासन और खरीद एजेंसियों से मांग की कि जिन भी किसानों का भुगतान अब तक बकाया है, उसे बिना किसी देरी के उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाए ताकि उन्हें आर्थिक तंगी से राहत मिल सके।

ये रहे मौजूद

इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता राम जाट, छैलूराम ढाका, संजय उर्फ जंगली भट्टू, रतिया ब्लॉक प्रधान सतनाम सिंह लांबा, भट्टू ब्लॉक प्रधान विनोद सिडाण और फतेहाबाद ब्लॉक प्रधान रविंदर कड़वासरा समेत अनेक किसान साथी मौजूद रहे।

जिले की अनाज मंडियों में धान खरीद का सिलसिला लगातार जारी

मंडियों में 7.03 लाख एमटी धान आया, 6.21 लाख की खरीद 4.53 लाख का उठान, किसानों को 1082.07 करोड़ का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले की अनाज मंडियों में धान खरीद का सिलसिला लगातार जारी है। खरीद के साथ-साथ उठान में भी तेजी आई है, लेकिन अभी भी मंडियों से एक लाख 68 हजार 416 मीट्रिक टन धान का उठान होना बाकी है। अब तक जिले की मंडियों में धान की कुल आवक 7 लाख 3 हजार 672 मीट्रिक टन दर्ज की गई है। इसके मुकाबले सरकारी खरीद एजेंसियां अब तक 6 लाख 21 हजार 824 मीट्रिक टन धान खरीद चुकी हैं। वहीं, एजेंसियों द्वारा 4 लाख 53 हजार 408 मीट्रिक टन धान का उठान किया जा चुका है। इस तरह खरीदे गए कुल धान का करीब 73 प्रतिशत मंडियों से उठाया जा चुका है। खरीद और उठान के बीच अभी भी 1.68 लाख मीट्रिक टन का अंतर बना हुआ है। ऐसे में मंडियों में खरीदे गए धान को जल्द उठाना एजेंसियों के सामने चुनौती है। हालांकि, किसानों के लिए राहत की बात यह है कि खरीदे गए और उठान किए गए धान के भुगतान की प्रक्रिया भी जारी है। अब तक किसानों को कुल 1082.07 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, उठान किए गए धान के मूल्य के मुकाबले 97 प्रतिशत भुगतान हो चुका है।



फतेहाबाद। अनाज मंडी में लगी धान की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

पिछले सीजन में 11 लाख एमटी से अधिक थी खरीद

पिछले खरीफ सीजन 2025-26 में फतेहाबाद जिले में कुल 11 लाख 2 हजार 617 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। इस बार 8 नवंबर तक खरीद का आंकड़ा 6 लाख 21 हजार 824 मीट्रिक टन पहुंचा है। सीजन की आगे की खरीद को देखते हुए मंडियों में आवक, खरीद और उठान की प्रक्रिया पर नजर बनी हुई है।

3 एजेंसियों ने खरीदा 6.21 लाख मीट्रिक टन

जिले में धान खरीद की जिम्मेदारी तीन सरकारी एजेंसियों खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को दी गई है। इनमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सबसे अधिक दो लाख 57 हजार 50 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। हैफेड ने दो लाख 24 हजार 374 मीट्रिक टन और एचडब्ल्यूसी ने एक लाख 40 हजार 400 मीट्रिक टन धान खरीदा है। तीनों एजेंसियों की कुल खरीद 6 लाख 21 हजार 824 मीट्रिक टन तक पहुंच गई है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग उठान में पीछे

हैफेड ने कुल खरीद में से एक लाख 68 हजार 331 मीट्रिक टन धान का उठान किया है, जो उसकी खरीद का करीब 75 प्रतिशत है। एचडब्ल्यूसी ने एक लाख 3 हजार 696 मीट्रिक टन धान उठाया है, जो कुल खरीद का 74 प्रतिशत है। वहीं, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 2 लाख 57 हजार 50 मीट्रिक टन खरीद के मुकाबले 1 लाख 81 हजार 381 एमटी धान का उठान किया है। इसका उठान प्रतिशत 71 है। सबसे अधिक 75,669 एमटी धान का उठान खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पास लंबित है। हैफेड का 56,043 एमटी और एचडब्ल्यूसी का 36,704 एमटी धान उठाया जाना बाकी है।

अभी किस एजेंसी के पास कितना धान

खरीद एजेंसी	कुल खरीद	उठान	शेष उठान
▶▶ खाद्य एवं आपूर्ति विभाग	2,57,050	1,81,381	75,669
▶▶ हैफेड	2,24,374	1,68,331	56,043
▶▶ एचडब्ल्यूसी	1,40,400	1,03,696	36,704
कुल	6,21,824	4,53,408	1,68,416

64,862 किसानों से हुई खरीद

धान खरीद प्रक्रिया में अब तक जिले के 64,862 किसानों का आंकड़ा दर्ज किया गया है। वहीं, भुगतान के मामले में सरकारी एजेंसियों द्वारा कुल 1082.07 करोड़ रुपये किसानों के खातों में जारी किए जा चुके हैं। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 438.06 करोड़ रुपये, हैफेड ने 404.45 करोड़ रुपये और एचडब्ल्यूसी ने 239.56 करोड़ का भुगतान किया है। कुल खरीद के मुकाबले भुगतान का प्रतिशत 71 है, जबकि कुल उठान के मुकाबले भुगतान 97 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे स्पष्ट है कि उठान किए गए धान के भुगतान का बड़ा हिस्सा किसानों तक पहुंच चुका है।

अखंड पाठ का भोग डालकर गुरुवाणी से संगत को किया निहाल

दिनभर चला विशाल लंगर; गुरुद्वारे के बाहर सजी दुकानों पर भी उमड़ी भीड़

कार्तिक अमावस्या पर झाड़ साहिब में उमड़ी श्रद्धा, सरोवर में लगाई डुबकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

कार्तिक अमावस्या के अवसर पर सोमवार को रतिया रोड स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री झाड़ साहिब में श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। दूर-दराज के गांवों और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे के पवित्र सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई और गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्तिक अमावस्या पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा परिसर गुरुवाणी और भक्ति भाव से गूंजता रहा। इस अवसर पर गुरुद्वारे में रखे गए अखंड पाठ का भोग डाला गया। इसके बाद संगत ने गुरुवाणी का श्रवण किया और गुरु घर में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान करने के बाद धार्मिक मर्यादाओं के अनुसार पूजा-अर्चना की। कई श्रद्धालु परिवार सहित गुरुद्वारे पहुंचे और अपने बच्चों के साथ सरोवर में स्नान कर गुरु घर में हाजिरी लगाई। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि अमावस्या के दिन पवित्र सरोवर में स्नान और धार्मिक स्थलों पर सेवा-सिमरन करने से मन को शांति मिलती है। धार्मिक आयोजन के दौरान गुरुद्वारा साहिब में संगत के लिए दिनभर अटूट लंगर की व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर लंगर ग्रहण किया। सेवादारों ने पूरी श्रद्धा के साथ लंगर की सेवा निभाई। गुरुद्वारा परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए सेवा और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया। संगत ने भी सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।





फतेहाबाद। गुरुद्वारा झाड़ साहिब में सजा दरबार, लंगर ग्रहण करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

दीपावली के बाद अमावस्या पर स्नान और दान का विशेष महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और वैभव की कामना की जाती है। इस बार रविवार दोपहर बाद देवकार्य की अमावस्या शुरू हुई और रात को दीपावली मनाई गई, जबकि सोमवार को पितृकार्य की अमावस्या रही। इसी कारण रविवार को मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही तो सोमवार को विभिन्न धार्मिक स्थलों और गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर स्नान, सेवा और सिमरन किया। अमावस्या के अवसर पर पितरों की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध और दान-पुण्य करने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन जरूरतमंदों की सहायता और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा श्री झाड़ साहिब पहुंचकर गुरु घर में माथा टेका और परिवार की सुख-शांति के लिए अरदास की।



गुरुद्वारे के बाहर दुकानों पर भी रही रौनक

अमावस्या के धार्मिक मेले को लेकर गुरुद्वारा श्री झाड़ साहिब के बाहर भी खासा उत्साह देखने को मिला। यहां विभिन्न प्रकार के सामान की दुकानें और स्टालें सजाई गई थीं। श्रद्धालुओं ने धार्मिक सामग्री के अलावा घरेलू उपयोग और बच्चों के खिलौनों सहित अन्य सामान की खरीदारी की। परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के साथ मेले का भी आनंद लिया। दिनभर गुरुद्वारे के बाहर बाजार जैसा माहौल बना रहा।

दिवाली मेले के माध्यम से दिया एकजुटता का संदेश



सिरसा। सिंटी सेंटर पर दिवाली मेले में उमड़े शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

- 11 दिवसीय दिवाली मेले में समाज के हर वर्ग ने किया इंज्वाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

श्रीमत टेक्सवर्थ की ओर से डबवाली रोड पर विकसित की जा रही करीब 125 बहुमंजिला कमर्शियल-कम-रेजिडेंसियल मार्केट में भव्य दिवाली मेले का आयोजन किया गया। मेले के माध्यम से समाज के हर वर्ग को जोड़ा गया। परिवार को स्वस्थ मनोरंजन का विकल्प दिया गया। कुछ घंटों के लिए बच्चों को मोबाइल से दूर करने में कामयाबी हासिल की गई।

श्रीमत सिटी सेंटर द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत दिवाली के उपलक्ष्य में 28 अक्टूबर से दिवाली मेले का आयोजन किया गया, जोकि 7 नवंबर को संपन्न हुआ। संस्थान की ओर से पहली बार ऐसा भव्य आयोजन किया गया, जिसके हजारों सिरसावासी साक्षी बनें। सिटी सेंटर में करीब पांच दर्जन कारोबारियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित और बिक्री के लिए स्थान निशुल्क उपलब्ध करवाया गया। मेले में एंट्री फ्री रखी गई, साथ ही वाहनों की पार्किंग भी फ्री थी। लोग निसंकोच होकर मेले का आनंद लेने के लिए पहुंचे। लगभग एक किलोमीटर लंबी शॉपिंग स्ट्रीट को विद्युत आधारित लडिय़ों से सजाया गया। सिटी सेंटर की ओर से आयोजित इस मेले में बच्चों के मनोरंजन की विशेष व्यवस्था की गई थी। लोक संस्कृति व सभ्याचार को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय व बाहरी कलाकारों को आमंत्रित किया गया, भजन, सूफी गायन, पंजाबी गीत, वॉलीवुड गीत-संगीत का लाइव शो आयोजित किया गया। मेले के दौरान आने वालों के लिए फ्री लक्की ड्रा का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को प्रथम पुरस्कार में माइक्रोओवन-कम-एयर प्यूरिफायर, द्वितीय पुरस्कार में गारमेंट स्टिमर तथा तृतीय पुरस्कार में जूसर-मिक्सर ग्राइंडर इनाम में दिए गए।

गोवर्धन पर्व पर मंदिरों में वितरित किया अन्नकूट प्रसाद, भक्तों की लगी लाइनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

गोवर्धन पर्व पर सोमवार को जिलाभर में मंदिरों में अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं का प्रसाद के लिए मंदिरों में दिनभर तांता लगा रहा। वहीं कुछ मंदिरों में मंगलवार को अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिरों में तैयार किया गए अन्नकूट प्रसाद का दोपहर 12:15 बजे भगवान के भोग लगाया गया व उसके बाद प्रसाद वितरित किया गया। मुख्य आयोजन अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम, श्री सालासर धाम और श्री तारा बाबा कुटिया में भव्य अन्नकूट प्रसाद वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग विशेष रुप से उपस्थित थे। रानियां रोड स्थित श्री बाबा तारा कुटिया परिसर में अन्नकूट प्रसाद वितरित किया गया। जिसका शुभारंभ पूर्व गृहमंत्री गोपाल कांडा ने प्रसाद वितरित करके किया। इसके अलावा सालासर धाम मंदिर, सरसांई नाथ मंदिर, सनातन धर्म मंदिर, सर्राफों का मंदिर, गली गोलछावाली इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर, जंडवाला मोहल्ला स्थित बंसीवट मंदिर में अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया।



सिरसा। मंदिर में अन्नकूट का प्रसाद लेते श्रद्धालु।

मां से बिछड़े 7 वर्षीय मासूम का सहारा बनी ट्रैफिक पुलिस, परिवार से मिलवाया

फतेहाबाद। फतेहाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एक बार फिर साबित किया है कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल यातायात व्यवस्था संभालना ही नहीं, बल्कि जरूरत के समय आमजन की सहायता करना भी है। दीपावली के अवसर पर शहर में पैदल गश्त के दौरान ट्रैफिक पुलिस की टीम ने अपने परिजनों से बिछड़े 7 वर्षीय मासूम बच्चे को सकुशल उसकी मां से मिलवाकर संवेदनशीलता और मानवीयता का सराहनीय परिचय दिया। ट्रैफिक थाना प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह ने बताया कि पुलिस टीम शहर में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पैदल गश्त कर रही थी। इसी दौरान मल्टीलेवल पार्किंग के पास एक मासूम बच्चा अपने परिजनों से बिछड़ा हुआ मिला। पुलिसकर्मियों ने तुरंत बच्चे को अपने संरक्षण में लिया और उसे सुरक्षित रखते हुए उसके परिवार का पता लगाने के प्रयास शुरू किए।



फतेहाबाद। बच्चे को उसके परिजनों को सौंपते ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी।

जेजेपी स्थापना दिवस पर महेंद्रगढ़ रैली होगी ऐतिहासिक : अजय चौटाला

- दुष्यंत चौटाला बोले, रैली के बाद प्रदेश के बदलेंगे राजनीतिक हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में आज भाजपा शासन में हालात सभी वर्गों के विपरीत हैं जिससे सभी वर्ग इससे छुटकारा चाहते हैं और ऐसे में केवल जननायक जनता पार्टी ही प्रदेशवासियों की सेवा का वास्तविक विकल्प है। वे सोमवार को चौटाला हाउस में जेजेपी की नौवें स्थापना दिवस पर प्रस्तावित महेंद्रगढ़ रैली की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। पार्टी के जिला प्रेस प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि 6 दिसंबर को महेंद्रगढ़ में प्रस्तावित रैली अपने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करेगी। इससे पूर्व हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत सिंह चौटाला ने कहा कि इस रैली की कामयाबी का प्रभाव पूरे हरियाणा की राजनीति में परिवर्तन लाएगा और जेजेपी परिवार प्रदेश की सेवा के लिए प्राथमिकता से कदम बढ़ाएगी।



सिरसा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अजय चौटाला।

सोमवती अमावस्या पर हवन-यज्ञ

ओढां। बेसहारा गोमाता अस्पताल रोहिड़ावाली में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान गोशाला के प्रधान अजय सिंह श्योराण की देखरेख में संपन्न हुआ। इस मौके पर पंडित बलराम कौशिक ने पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चार के साथ इस हवन-यज्ञ को संपन्न करवाया, जिसमें उपस्थित सभी सज्जनों और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आहुतियां डालकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने बताया कि दिवाली के अगले दिन सोमवती अमावस्या का आना बेहद दुर्लभ और फलदायी संयोग है। इस दिन किए गए स्नान, ध्यान और दान-पुण्य से पितरों को तृप्ति मिलती है और सभी कष्ट दूर होते हैं। इस अवसर पर गोसेवक राम स्वरूप सहारन, कृष्ण गोदारा बनवारी कस्बा, तेज वीर खैरवा, इन्द्राज मंडा, सुभाष खंडेलवाल व भूप गोदारा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

तस्करों पर रेड और नशा पीड़ितों का उपचार करवा रही पुलिस

एक सप्ताह में 28 नशा पीड़ितों को उपचार से जोड़ा

13 गांवों और 3 वार्डों में डोर-टू-डोर अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

नशे के खिलाफ डबवाली पुलिस की मुहिम अब केवल नशा तस्करों तक सीमित नहीं है, बल्कि नशे की चपेट में आए लोगों को उपचार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी समान रूप से जोर दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर के नेतृत्व में पुलिस द्वारा एक ओर नशे की सप्लाई करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर नशा पीड़ितों तक पहुंचकर उन्हें उपचार, परामर्श और पुनर्वास से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता उप निरीक्षक आनंद कुमार ने बताया कि बीते एक सप्ताह के दौरान नशा मुक्ति टीम डबवाली ने 13 गांवों और 3 वार्डों में डोर-टू-डोर अभियान चलाया। टीमों ने घर-घर पहुंचकर नशे से पीड़ित लोगों की पहचान की तथा 28 नशा पीड़ितों को उपचार एवं परामर्श से जोड़ा। उपचार से जुड़ने वाले लोगों के साथ लगातार संपर्क रखते हुए उनकी स्थिति और प्रगति की जानकारी ली जा रही है।



सिरसा। नशा पीड़ित को परामर्श देते।

गांवों की भागीदारी से मजबूत हुआ अभियान

नशे के खिलाफ जमीनी स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से डबवाली पुलिस द्वारा पंचायतों के सहयोग से 50 गांवों तथा मंडी कालांवाली व डबवाली के 6 वार्डों में नशा मुक्ति कमेटियों का गठन किया गया है। ये कमेटियां अपने-अपने क्षेत्रों में नशे की समस्या से प्रभावित लोगों की पहचान करने, उन्हें उपचार के लिए प्रेरित करने और युवाओं को नशे से दूर रखने में पुलिस की सहयोगी के रूप में कार्य कर रही हैं। बीते सप्ताह नशा मुक्ति कमेटियों के सदस्यों ने 18 नशा पीड़ितों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं परामर्श से जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कमेटियों द्वारा युवाओं को खेल, शिक्षा और अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जोडने व उन्हें सुरक्षित व उज्जवल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शित किया जा रहा है।

श्रद्धा भाव के साथ निकाली प्रभातफेरी

रतिया। श्री गुरु नानक देव साहिब महाराज जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में पुराना बाजार स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब से पिछले कई दिनों से संगत द्वारा प्रभातफेरियां निकाली जा रही हैं। आज की प्रभातफेरी मौके संगत सतगुरु नानक प्रगटिया, धन गुरु नानक के जयकारे लगाते हुए सेवक परिवार के निवास पर पहुंची और इस दौरान रागी जत्थे ने संगत को रसभिन्ने शबद कीर्तन से निहाल किया और कहा कि संगत को प्रतिदिन को प्रभातफेरियों में शामिल होकर अपना जीवन सफल करना चाहिए। सेवादारों ने बताया कि श्री गुरु नानक देव साहिब महाराज जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा साहिब से संगत द्वार प्रतिदिन अलसुबह प्रभातफेरियां निकाली जा रही हैं।